श्री वीरेन जे. शाह (महाराष्ट्र) : रोज पुलिस के अत्याचार हो रहे हैं . . . **(व्यवधान)** . . .

श्री भूपेन्द्र सिंह मान : मैडम, उनकी मेडिकल एवीडेंस खराब की जा रही है। उनको इतना टैरेर किया जा रहा है कि ताकि वे मेडिकल न करवा सकें। जो 40 लोगों ने इसके संबंध में एप्लीकेशंस दी हैं, एस. डी. एम. को कि हमारे साथ अन्याय हुआ है, तो एस. डी. एम. जब इन्क्वायरी कर रहे थे, पुलिस ने एस. डी. एम. के सामने उन लोगों को पीटा, उन लोगों के साथ मारपीट की और उनको दुत्कारा कि हम यह नहीं करने देंगे। इस तरह का रवैया जो पुलिस का चल रहा है, इसके बारे में चर्चा यहां हाउस में भी बहुत हो चुकी है। सभी प्रांतो के गांवों में ऐसा हो रहा है। तो इस ढंग से देश के कानून से लोगों का विश्वास उठता जा रहा है जो कि न तो देश के हित में है और न यह सभी के हित में है। जो ऐसे लोग हैं, उनको सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए। जूडीशियल इन्क्वायरी करके इसका पता लगाना चाहिए और बात सामने आनी चाहिए और हम सब को, सारे हाउस को इसकी निन्दा करनी चाहिए, यही मैं दरख्वास्त करता हूं। धन्यवाद।

SHRI VIREN J. SHAH : I associate myself with this. We are aware of the police behaviour. *(Interruptions).*

Bomb blast in Calcutta on 16th March, 1993

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Madam................. ... *(Interruptions)...*

' THE DEPUTY CHAIRMAN: You are associating.......... *(Interruptions).*

श्री विष्णु कान्त शास्त्री (उत्तर प्रदेश) माननीया उपसभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से कलकत्ता बम विस्फोट के संबंध में कुछ चौकाने वाले तथ्य आपके और सदन के सामने रखना चाहता हूं **(व्यवधान)**

SHRIMATI! JAYANTHI NATA-RAJAN : Madam, the matter is serious.

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is a matter which is serious, Mrs. Natrajau. The Minister has beared it and he will find out. Because it is a State Government matter, he cannot react now; nobody can say anything. He will have to find out from the State Government. Then he can come and give an opinion.

(श्री सिकन्दर बख्त) विपक्ष के नेता : चेयरमैन साहब ने बाकायदा परमिशन दी है उनको. . . **(व्यवधान)**

شری سکندر بخت : چیرمین صاحب نے
باقاعدہ پرمیشن دی ہے ان کو... "مداخلت"

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : उपसभापति महोदया,

THE DEPUTY CHAIRMAN : I want 'he Government to act on it, that's all. . . *(Interruptions)....* We have business before the House. शास्त्री जी जल्दी से कह दीजिए ताकि मैं आगे बढ़ूं.

. . .*(Interruptions)..* .

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : Madam, you are giving them four or five minutes and they have spoken.

THE DEPUTY CHAIRMAN : I didn't want them to speak !

SHRIMATI JAYANTHI! NATARAJAN : But you have permitted them. It is a serious matter concerning a women's problem. If you don't want me to speak on that.... *(Interruptions)...*

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : उपसभापति महोदया, मैं आपके सामने बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मुझे बोलने का अवसर दिया गया है। 16 तारीख को कलकत्ता बम विस्फोट के बारे में **(व्यवधान)**

उपसभापति : बम विस्फोट के बारे में बहुत बातें हो चुकी हैं।

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : यह बहुत चौंकाने वाले तथ्य हैं । 16 तारीख को कलकत्ता में बम विस्फोट के 10 घंटे बाद शेख रशीद को गिरफ्तार किया गया । इस बीच में यह प्रामाणिक तथ्य की बात है कि घटना स्थल से बहुत सा सामान पुलिस की उपस्थिति में हटा दिया गया । ऐसा बताया जाता है कि हटाए जाने वाले सामानों में बहुत से शस्त्रास्त्र थे, लाखों नकद रुपए थे । जब उसको गिरफ्तार किया गया तो उसके घर की तलाशी 48 घंटे के बाद ली गई । मैं यह जानना चाहता हूं कि 48 घंटे तक शेख रशीद के मकान की तलाशी क्यों नहीं ली गई ? जब शेख रशीद के मकान की तलाशी ली गई तो देखा गया कि 100 से अधिक सूटकेस और असंख्य फाइलें खाली हैं । कलकत्ता पुलिस के कमिश्नर को यह स्वीकार करना पड़ा कि यह सारे सामान शेख रशीद के आदमियों ने किसी दूसरी जगह हटा दिए हैं जिसकी हम तलाश कर रहे हैं । कलकत्ता में सब लोगों का यह गम्भीर आरोप है कि यह सब इसलिए हो रहा है कि कलकत्ता पुलिस के साथ शेख रशीद के बहुत पुराने संबंध हैं । कलकत्ता पुलिस के बड़े बड़े अधिकारी शेख रशीद के रेस्तरां में खाने-पीने और मौज-मस्ती करने जाते रहे हैं । यह बहुत बड़ा अपराध है । **(व्यवधान)**

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: It is the same issue, Madam, about the same people.... *(Interruptions)* ....

उपसभापति : शास्त्री जी आपने अपनी बात कह ली ।

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : शेख रशीद के बारे में कहा है **(व्यवधान)**

THE. DEPUTY CHAIRMAN : That matter is over. Now let me take up the listed business. . . *(Interruptions)*.. ,

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : *

SHRI MD. SALIM (West Bengal) : What is this ? .... *(Interruptions)* _____

*Not recorded.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Now, that matter is closed. I am not allowing him to say on that .. *(Interruptions).* .It is not going on record. No allegation which cannot be substantiated will go on record.. . *(Interruptions)* .... Now, that matter is over. We will take up the Statutory Resolution and the National Commission for Backward Classes Bill, 1993..... *(Interruptions)* .... Now, be fore I take up that .... *(Interruptions)* ..

PROF. SAURIN BHATTACHARYA (West Bengal). Madaam, won't you allow me two or three minutes

THE. DEPUTY CHAIRMAN : What is that now ? Regarding what ?

PROF. SAURIN BHATTACHARYA : Please allow me two, three minutes.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Two or three minutes ! So much time ! Forty-five minutes have gone by. What is it about ?

RE LEAKAGE OF P.M.'S LETTER

PROF. SAURIN BHATTACHARYA (West Bengal) : I will be telling. Madam, the matter, really, is a distressing and disturbing one. A letter addressed by the Prime Minister. . .

THE DEPUTY CHAIRMAN : Again the Prime Minister's letter ?

PROF. SAURIN BHATTACHARYA: ... to his colleagues in the Council of Ministers has found its way to the press. The matter concerns a request to the Prime Minister by a high dignitary requesting the Prime Minister to ensure that none of has relatives *or* any one purporting himself to be a relative, can take any advantage. The Prime Minister, in his letter, requested all his Cabinet colleagues to see to it and, at the same time, he added further... *(.Interruptions)* ...

THE DEPUTY CHAIRMAN : He is saying that it should not come in the newspapers.